मेरे घर आये गोपाल ...

मैं तो सोय रही सपने में, मेरे घर आये गोपाल ।
मेरे घर आये गोपाल, मेरे घर आये गोपाल ।।

धीरे से आके वाने बंसी बजाई
मधुर मुरलिया मोरे मन भाई
मैं तो सुन-सुन हुई निहाल ... ।।1।।

मोर मुकुट और ज़री का दुशाला
चम्पा चमेली गुलाबों की माला
मैं तो निरखि निरखि बलिहार ... ।।2।।

कांधे पड़ी थी वाके कामरिया
तिरछे खड़े थे मोरे बांके सांवरिया
मेरे तन मन छाई बहार ... ।।3।।

धीरे से आके वाने मो कूं बुलायो
किरपा कर मोहे कंठ (हृदय) लगायो
मेरे जग गये भाग सुभाग ... ।।4।।

http://www.govindbhargav.in